



५१

ॐ नमः श्रीवज्रसखाय ॥ यगिष्ठयदवगा कलाधियगिनायकं कृत्वा ॥ समाधिगयरावना ॥ यथम ॥ गगकलम
धियासयग ॥ गदन्कलंगनासयूषकं मणुलाधियासनं कर्तुमि ॥ यथाद्वगविधिकियायगिष्ठादिकीयुगिष्ठाकुर्या
न ॥ मगोयोनिर्गमयेनकार्यं ॥ गून्गगाकनूपातिन्नवाधिवित्तान्मकीलिविगवा ॥ रावनागून्गगाक
नूपातिन्नवाधिवित्तान्मकीलिविगवा ॥ रावनागून्गगाक
ग ॥ यावयग ॥ दवस्योधियगिर्नूर्यथा ॥ स्वायूषवनेयथा कर्मददादिव दूँ ॥ ॐ कार्मदद्वगनेनववीउमिभिस्त्रिग
॥ यविगुशेवगि ॥ या न लाहो ॥ आदिनरावनो ॥ पादिगिगून्गगाधिमो ॥ गणद्वीगनिष्ठन्नमानदवगाकांवि

विश्व ॥ गथागगायत्तरावमिर्दजगग ॥ गथागगानिष्ठरावमिर्दजगग ॥ अनयागमथायावमुद्विक्कनगंकृत्वा ॥ न
रुसिमव्वमथागगानुद्विक्का ॥ य ॥ पुत्रायहालेयूजा ॥ लाग्मव्ववदतममि ॥ वूययाय ॥ ॥ खवायिसव्वसम्वद्धावावि
सत्वायसव्वग ॥ ॐ रुवद्धकगावास
ग ॥ लरु ॥ दूहाववरा नय ॥ दयकाय
सुयोमोनेकुर्याग ॥ ॐ नमः समन्तयूधानां सविधिनिविशुद्धानां सव्वविचरुनलुदूँ ॥ ॐ रुदरुदत्वाहा ॥ ॐ दूँ ॥ ॐ
॥ कायउवायमनु ॥ यस्ययमनु गनाष्टगमिक्कासुदिवज्जदसुनद्वगजयग ॥ ययादिसि ॥ यययग ॥

三

ॐ वज्रसूक्तम् ॥ अन्नं न वज्रासत्त्वसमयमूदादगयिग ॥ ॐ वज्रावगम ॥ ॐ वज्रावगमसमयमूदावध्व ॥ गमा
कनपदधिकूर्योग ॥ ॥ गमागिलिचिर्नकमवजीनवध्व ॥ अमृत्कणुलिमकणसवका ॥ वज्रांराजस्वरावगिलिचि
कनद्वयसमययग ॥ समययित्वा
लूयविसर्जयग ॥ यानिसीसाधन
गानूर्याविविच्य ॥ गगद्वत्केणुमूर्ध्वसूयथाक्रम ॥ वज्रायद्वत्कणुनद्वं ॥ ॐ वज्रावगम ॥ अन्नं न वज्रासत्त्वसमयमूदादगयिग
गिनयूसनविमिश्रग ॥ वामदक्षिणकनया ॥ वज्रसूययिनिजलगवज्रापदिगिध्व ॥ ॐ वज्रावगम ॥ ॐ वज्रावगमसमयमूदावध्व ॥ गमा

[illegible]

सिदयक गणुलयनदवयालयनिसददयमनुवायावदवयानूयउसगंधनकुमावीमृगकानविननस
 लवनायधयानयिवानयून्या॥ गगनवजसखमानानिर्मायसदृडीजाकृष्णयनिष्ठयदवगावीर्गगनद
 द्रु॥ लावना॥ पूजादियूवगवविः
 काहमहावजीदवगाकस्ययाम्
 ह्यययन॥ धूया॥ समेनादनकुमास्वअलावादिशसक्तिगाअम
 रु॥ निष्ठोणमनूकयायसत्वार्ययनिरुतुनावीजरुगमदाहन
 अधिष्ठाणिकरुमरुथी॥ अकासकलाकानद्वयगविगनिगत्वसहिर्गदवगावीर्गदृष्टु॥ वजाक्ष
 दिवीजमणुलमाकषयन॥ उंवजाकृगवीजमणुलमाकषयन॥ उंवजावगवीजमणुलमाकषयन॥ वजाक्ष

२ धनधययादावमनर्गहाकानिगुडिनकावकी दयकादवयाविजरुवर्न

धर्थादाववीजगणिमृकयणमविष्ठानयाय

वीजमणुलवंधययं॥ उंवजावगवीजमणुलमाकषयन॥ अयादिनिवाप्रन॥ मान॥ स्ववकृत्वास्वववीजनः
 निष्ठाययन॥ यूननिष्ठमृदवगाविष्ठाकायादिवीजाविस्मर्नकूर्याग॥ पूषादियूजागताकवणद्वीकूर्याग॥
 र्वभवादर्न॥ नूतिवीजाविष्ठानसी
 ॥ गदनूनिष्ठमृदवगा
 नूय॥ मणुलार्ययनिवृर्गमणुलाधियनिमालाका॥ पुंकाणादिपूषादियूजा॥ गगनसूनिक्कसमाप्रलिय
 लमगविगुहामनी॥ उंसर्वगधगगसतलिगविलासनमिग॥ नमामिरुगवर्नजो॥ उंवहा॥ यनिष्ठकूमाप्रतिना

स्तानयागन दहन नमस्काययाकावर्गहालदवयाक

यस्य कस्यावेनावनस्य रावदुःखविनासकस्य गन्माजलं रुवगुमानिकवंगवाय ॥ उं वज्रसत्त्व ॥ ॐ यम
 नदयेदयत्वा ॥ ॐ अष्टांगिकरु
 कजाहवगधगमरुगुवत्वा ॥ वज्र
 मुनि ॥ ॥ ॐ निनामाकवण ॥
 मृष्टिणभवसदिगस्य अभायसिद्ध
 कवाय ॥ ॐ द्रव्यम् ॥ उं दिवा वाससत्त्वा ॥ उं वाधं गवृगकवत्त्वा ॥ गाठयामटर्ह ॥ धनलिकालनदूनाना

समात्तुं रदिगमयावग ॥ उं अष्टमर्षिगाधनिर्हं रुद्र ॥ लीखानकाया ॥ धनलिनक ॥ उं अष्टसमाधि
 नसर्वजिनयूगयिन एत्त्वा ॥ उं
 ॐ गिरुलयासनी ॥ • ॥ तमा
 नायावविया ॥ लाहागिबका ॥ ना
 सनानावीरुनवायावगादिग
 ददत्वा ॥ उं अष्ट ॥ धनकृतसध ॥ वयउयरीगाजा अष्टिगणयाया ॥ नक ॥ उं दिवा वसमाधमनयान एत्त्वा

७

॥ नागिक ॥ उं आः वमनं युगियुच्चाह ॥ कर्नव रुय ॥ नसा कखानमालानमायसयिना ॥ ग्वयनक ॥ थनिकीथखा
याझदूलैरुवगामविदाहवयायू
नविधिकुर्याग ॥ सावना ॥ दवगा
मथागगनेमिहलेननसीरुनणिकाव
गगत्यागि ॥ सर्वसखमनायायीस
त्यानांननमनाथकामागह्ययनियूनय ॥ धर्मधनावविष्णुणात्समयसमवणदयि ॥ कययासद्यस्तवानांकुवू

द्यादियवोयहोतयूगा ॥ मुनि ॥ ग्रीनयामन ॥ ॥ गगउयनय
द्वन्द्व ॥ उं महासखेवजज ॥ उं वंदो ॥ सुनगल्लमदं ॥ गति ॥ सर्व
यग ॥ जगमानेलाथजावययाना ॥ महासखमहानागमिवीसर्व
सर्वसखदिकिग ॥ सर्वसखयिगायवकोमा ॥ गुसमयाश्रिणा ॥ स
सर्वसखदिकिग ॥ सर्वसखयिगायवकोमा ॥ गुसमयाश्रिणा ॥ स

धर्मसर्वसिद्धय ॥ धर्मवउय ॥ यथादियधुप्रयहोतयूगामुनि ॥ उयनयनविधि ॥ ० ॥ गगयूजकवणार्थय
निमादीनमनकुर्याग ॥ यत्तमजलं
कथनस्यसूगगस्यसूखान्मक
यत्तुवालनउयाखात ॥ कमिह
नद्र ॥ सर्वोहनावलानरुदयद्र
लूनक्रसखन ॥ यून ॥ मोन ॥ यन्मजलममृगस्यजिनयुरादीसकगुनावनदाससूरा ॥ विगन ॥ शीवहसरीरावजि

कमलयागिसद्वजमिहयकायुधंयवनराययगस्यलाका ॥ ला
स्यगन्मजलरुवगुगयनमारिधका ॥ उं कावणमृविहूनया
धयूगा ॥ लागनकावावसखायमकुथ ॥ उं सर्वविषयविषाध
खाहो ॥ धनगंखायराव ॥ उं धर्मगद्यधिकवणखाहो ॥ लूम
लूनक्रसखन ॥ यून ॥ मोन ॥ यन्मजलममृगस्यजिनयुरादीसकगुनावनदाससूरा ॥ विगन ॥ शीवहसरीरावजि

७।

नम्यनिसविगस्य गन्मद्रुल्लवगुगयवमा निधक ॥ गाउयामठरुं ॥ इल्लकूकमनससिकवायमां उगल्लव
गननानाग्रागवण ॥ उं सवोरेनण
वृद्धानां गेवगुर्कनमसुर्ग ॥ यय्याः
मकूटयुगिह्वाह ॥ वाकप्रहृति
यः मुनि ॥ नूतिवृजकवण ॥ • ॥

हृषणस्वाहा ॥ उं कावलययुवृद्धमकुर्गनिधाय ॥ वृंदगन्मध्वः
कयूतनार्थयिमकूटयवकूलाह्वः ॥ उं सवृद्धवृजामणिमह
गा ॥ उं वज्रवत्तगं ॥ उं वज्रध्वज्यव्रीहं ॥ मकूटनवायक ॥ यः ला
गगावगादग ॥ रविना ॥ हृददिदवगाहृदद्योगी विह्रीनियाय
सवृकागमगुवृद्धवगाविहृवृयनरुल्लनसहृणीकृत्वा नुकीरावमागन ॥ उं वज्रसहृहं ॥ धमकुणदवगा

अविश्रण ॥ राजमानदाथजालयधान ॥ वृंदगन्मध्ववृद्धानां हसनालगाणमूर्ध्म ॥ मरावयवधर्मवृविह्रीग
वयः ॥ काह्रिगा ॥ सवृथयुक्रिया
॥ धगनिगुठिया मृधमयाव य
मूतखठनखाखिभखवावयः ॥ उं
॥ नूतिवृगादग ॥ • ॥ दगभनवण
गान्पुगिमादिदवगानिहृगाववाधिविरुह्वयानविहृय ॥ वाधिविरुह्वान्वृद्धान्यधमय्यागगाः

निहृयकरुवा ॥ सदागुविशयनयेनहिरावनवृद्धखंसमय्यागग
दगवर्न ॥ उं वज्रधर्मह्री ॥ धमकुणगानाविय ॥ उं वज्रसीधिवं ॥
वज्रवत्तगं ॥ दयानवर्लगावल ॥ यवायहनयूगा ॥ ला • ध्यः मुनि
लीलावयावमानयुध्यादिरिमणुर्लकृत्वा लयूय ॥ सवृगथग

५. नृमालनास्यह्याव उरुमणुतदनक
निधायिवाननवाध निमकून गाउवा मठरुं गगल्लविकाक

अ
न

॥ वाविसखा मदासखा ४ खजा गिथा ॥ गन्मीन ४ नि ४ खरा वं निवा लम्ब सर्व सख क का वण ॥ गथगा
 समगा हने वा विविदि मिगिस्म
 समावर्तन विधि ॥ ॐ ॥ धन
 युष्मन् रस मूय द्वावा आवाय म्ना
 दावा ॐ हिकिया रावना ॥ ॥
 नूयाण निष्ठाया स्वद्वय दूतस्य युनिमादिदवगाया वामया ॥ ॐ यद्वय द्वा सन निषय ॥ ॐ वज सख म्ना ॥

उहमा तत्ता र्य द्वाय विदि क तत्ता न
 उहम गुले दन क विदि क तत्ता न

ग ॥ धन निवा क यूजा ॥ ला ग्धा दिशि ४ स य ४ ॥ वग म्ना क ल
 द्वा म गुला विवा म्ना क ल ग्धा विवा स न धून क ॥ ॥ संति
 नया दावे गु नू म गुल द गु नि क ल ग्धा देव गा क नि धून
 गग ४ ख द्वा द्वा सु म्ना कारी विरा वा यु नि मा दि द व गा म्ना नि क
 ॥ ॐ वज सख म्ना ॥

१ सगान ख य १ नो ड कु मी हा थ यूजा

नि वि वा न गा य

मूठ ग व ड ण थिय क ॥ पाय नि वा ड न गा ड वा म ट ह ॥ म्ना ल यं द्वा ॥ मा स क व क ॥ ला हा मा ग ॥ सा म्ना य
 स गी द्वा व ण द्वा ग थ व य ड य ॥ ध
 का ल न वा य क य द्वा व ल क ल र्य वा मृ
 ला स्य व न मा ल्य स गी न नृ य य ल्य
 न्म ड ल र व गु न य व मा नि ध क ॥ व
 या या दि वा ड व म्ना ॥ ॐ दि वा या स स ख हा ॥ ॐ स द्वा नि व ण स ख ण स ख हा ॥ आ र व ण ॥ ॐ द म्ना स द्वा व द्वा नां ग थ गु

म गु ण लू गि या व क ॥ ॐ स द्वा ग थ ग न का य वि ण ध न द्वा ॥
 ग य द्वा ग थ ग न क ल ग्धा व क क मि क क न म्ना न या या य द्वा
 धू य व न दी य वि वि क ग न्ने ४ यूजा रि न यु नि स मी वि म ल यु गी ने
 म्ना ॥ उ ला ल व द्वा जी ग हा ल कू क म क य व न या व द्वा स ल य न
 ॥ ॐ द म्ना स द्वा व द्वा नां ग थ गु

स ना व न गा वा व वि य

अ
दि

कनमस्तुगीरायस्माकंयुजनाथयमकूटयिकलाह्वं॥ॐवज्रसत्तु॥हृत्तिनिनवयक॥ॐम्मा॥उगः
स्ववद्वर्णिमगनुवाकुरीमृगगन्ति
लाहाग्निवका॥सह॥बालस्वउवि
हृदयसु॥वीजाकरंनानालाकध
गायायादिनिगानना॥यक्ष्मय
हिगा॥न्यगाथागनिमूडासनलाकयराकनीगृह्णिवायाणिनायाणिवृद्धकृत्ययुवरुगे॥यनसत्तनसंसनेय

क्षयायान्मणुलंगनसत्तनमनाथकामाख्ययत्रियूयया॥ॐसर्ववृद्धयुजामणिमहावजाध्वीषर्वन्ननिष्टरु
रुट्त्वाहा॥अलिनीमकुशाॐव
आल्लेखिवाअनास्त्रिवाकयउ
लवदावनथवथासासहसाजन
लयूगाख्यपवादनमुगि॥यक्ष्म
संसिद्धिवृद्धविममिवयुनिमांष्ट्रु॥यायादि॥अग्नादुगियूयू॥ॐयाजकाग्रयत्वाहा॥युष्टादियूगाअष्टला

१००॥अनकाणस नेरुत्यकाणसत्तुकि कवायाव
नामगामर
श्रुतिनी
तुष्टन
यादिन
तिनयन
रुत्तुनि
दायन
वीथ
नाथ

अहमासनायातनयिक

अ
नि

गमगाकना॥ नूनिगुनिकियाविधि॥
कनिष्ठसुवद्रतागनसुभ्रमादि
दियुगा॥ उं नूनिगुनिकियाविधि॥ मणुत
मयाया॥ उं सर्वगथागनयुगायछ
मां॥ उं सर्ववेद्ययुगायछाणयात्मा
सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा

कनिष्ठाकादयकादयनिष्ठायाय

॥ युनिष्ठागावना॥ स्वद्विद्वंकावणवजं गत्कीवणं रुनिष्ठा
गंसिद्धियथामणुतद्वं॥ नूनिगुनिकियाविधि॥ मणुत
सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा॥ यथामणुत
नायान्माननिर्यागियामि॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा
नीनिर्यागियामि॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा
सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा

१३

मयुगायवर्णयान्माननिर्यागियामि॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा
मयुगायवर्णयान्माननिर्यागियामि॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा
गमगाकना॥ नूनिगुनिकियाविधि॥ मणुत
सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा॥ यथामणुत
नायान्माननिर्यागियामि॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा
नीनिर्यागियामि॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा
सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा

अ
क

यकाशिविबुद्धं॥यस्यैवहानयूगा॥यएववादन॥आचार्यनगवतानवजयंयस्यैवहानमातागवाद्धं
हावस्ववतानगाययाययुगिम्भ
आवा॥उं॥सुपनिधिगवजस्वाहा॥
गगहालिवोवाधिवजगमायउ
गम्भगथागादवीरि॥कूरेवति
॥श्रियैकंमहावजस्वादि॥लैवाणमनानवतसमवस्वरावणमकूटणयोयका॥यहनैययका॥उं॥वज

मनुध॥उं॥दूँ॥जी॥वज्जीरुवदृढगिष्ठमुं॥स्वैदूँ॥स्वाहा॥१०६॥
यधमोगाथा॥नवाणहाता॥०॥गियुनिष्ठाविधि॥०॥
या॥रावना॥आ॥नत्तसम्ववूयिनीरूपनसत्तनेकीरुगन
विबुद्धानां॥वृयवज्जादिरिवृयमानंमज्जतगीतिकीरावयम्
॥यहनैययका॥उं॥वज

वास्वयवीश्रियैवविबुद्धं॥उं॥सत्त्ववज्जीश्रियैवविबुद्धं॥उं॥वत्तवज्जीश्रियैवविबुद्धं॥॥उं॥धम्मवज्जीश्रियैवविबुद्धं॥
उं॥॥उं॥कम्मवज्जीश्रियैवविबुद्धं॥
मकूटययकूलाहवे॥॥उं॥आ॥य
दाशियका॥॥उं॥दूँ॥गं॥जी॥मू॥
खंगुद्रवजसमिद्धया॥नूयउः
जावियनिष्ठाश्रियैवविबुद्धं॥मिनिष्ठवजसमयह्यं॥उं॥वजयणु॥मू॥॥गृहीतासिमयासगवन्मयि

श्रियैकंमहावज्जीश्रियैवविबुद्धं॥यस्यैवहानमातागवाद्धं॥
जमेकूटारिविबुद्धं॥मनगत्त्वमहा॥उं॥वज्जीश्रियैवविबुद्धं॥॥उं॥मि
मूयाश्रियैकत्त्वमसिबुद्धवज्जीश्रियैकत्त्व॥॥उं॥दन्मववूद्ध
कैरुगिनद्वगधियकाववजविया॥वज्जीश्रियैकत्त्व॥॥उं॥व
॥॥उं॥वज

ग्रह

संनिदिगारुवशाद्याम्भुसिक्का
केवजसुथागगहरीहृद्वत्त
नकुगह्मनमूडालिङ्गिनातिन
कागदनूवकोश्वनमूर्तिवजस
द्वववावनद्वात्रायुविष्मद्वी
य्युनिमादिदवगायाम्भुयवि

॥ उँ वज्रसहस्रनामसिद्धिः ॥ मि वज्रनामासिद्धिकण्ड ॥ उँ आ १ ॥ म
॥ नामासिद्धिकण्ड ॥ ॥ पुनिमादिदवतानां सवज्रवज्रयष्टक
यं विना व्या ॥ गग १ ॥ सुयुनिष्ठिगवजाय स्वाहा ॥ आचार्यासिद्धि ॥ २
व १ ॥ छद्मद्वीजकिबलनिर्ग ॥ सविद्यवेनाचनादिगथागतद
रुगं मेलासुर्यमनूत्यावजयद्यात्यामस्तुष्टुवाधिविरु
वेकयन् ॥ गुप्तासिद्धिकण्ड ॥ ॥ गगस्तनवज्रसहस्रमायनीनदया ॥

समायन्नायायुनिमादिद्वन्नाया
नित्यादिगवपुर्थसकस्त्रनूयायुनि
नूणसतिन्ननसामविमूचनगान्नि
उनेत्यनयक॥शस्यद्यणुधस्य
मयसखावजसखायुतिद्वमसधो
माकन४॥निदधिभाग्यगग्यासिस्त्र

मयत्त्वमविमूयग ॥ यस्मिन्महानिधिका ॥ गदनूगवज्जुगाय
मादिदवगायुहिनगवाप्तनायनममहासूखमय ॥ गून्नाक
वदुर्ध्वाहिका ॥ ॥ यस्मादिद्युष्ट्यादनमुनि ॥ गजमानरु० ॥
यज्या ॥ अका ॥ त्यादविद्रुत्वादणदिनिधनयव ॥ महावज्ज
हममहासिद्धिमाहं ॥ योदिदवगा ॥ सर्ववज्ज ॥ नाजासिद्धमयन
गणं ॥ गत्यनसिद्धमरुगवनमहाना ॥ गमहानग ॥ अर्यगमुद्ध

॥यनिसनंतमस्तुत्यं सर्वसंयतिदायनी॥गंखकुन्दं वपुःसावजसत्त्वान्मकायना॥मस्तु॥इंमणिधनिवडीणिमहा
यनिसनदूंरुहत्वाहा॥यं.ता.म॥॥यू॥आ.धूपकमुनि॥अर्थनीत॥इंनमागवत्येआर्यमहासाहसुयद्र
ॐ दनोअर्थयतिरुहत्वाहा॥यू॥यू. यं.ता.यं.मृति॥कृषुवपुःमहायातासकुअरामरीवणी॥दूदोन
ॐ गासनीदवीकाधवडीनमामाहं॥मंग॥इंअमृगवन्दनश्चुवेलविमुद्धदूंरुहत्वाहा॥यं.ता.यं.
मृ॥॥द॥आ.धूपगीन॥अर्थयूय
ला.यं.मृ॥महाहानाहवादवीहमवपुःपुराकनि॥विद्यानाहीमहान्मानामायुनीमुणमामाहं॥मं॥इंअमृ.
गविनाकिनीगरीसंवकणीआकणीदूंरुहत्वाहा॥यं.ता.यं.मृ॥॥य॥आ.धूपकवृत्र॥अर्थयद्रनागे॥

[illegible]

ॐ
३

अथ यथायथा दिव्यगर्हसंस्तुताय नमः स हि गायक कर्कनयन नागवैष्णव ककुभससद्विभक्तवागयथा
कगन्नयययविनाययियाय। गुर्वगवथसमानुदायदवदानवकुम्भपुञ्जकिन्नाकनसहिगाया। अथगवश
गवानमनूयाणं हिगार्थाय ॐ दं गुरुमणुत्तम (ध्व) नूयवम्भ २ ॐ दमकगगन्नयययययदीया
यहानवलिङ्गयुतिगृह्णां २ नमो म
यमूर्धम्युतिङ्गुत्वाहा ॥ य. यं. ला. यं
वज्रसूर्यनमो मारु ॥ मं ॥ ३ नमो मया कायत्वाहा ॥ यं. ला. यं. मु ॥ २ ॥ सामस्यदकिण्णगविवीगल्लगानि
ला ॥ मू. धूपकयूना मूर्धम्युति ॥ ल्गनयययविगययययदीया ॥ मुक्तिदधिरकं। समुत्त ॥ ३ नमो ४ सामायमू

नमथनार्हवायनंरासूगायनमसूपायहालनीनमीलकाभययययसद्विभक्तवागयथा गुहवातयययगन्नययययवि
गायहंसावृदायदवदानवकुम्भपुञ्जकिन्नाकनसहिगायनवगवशगवन्नमनूयाणं हिगार्थाय ॐ दं गुरु
मणुत्तम (ध्व) नूयवम्भ २ ॐ दं म
यस्यक्रियगं नस्ययानिकवानि रग
॥ कृणुगुणानसंकल्पं कृतं पुलाका
भवत्वाहा ॥ यं. ला. यं. मु ॥ २ ॥ श्रीगव ॥ दमकग (ध्व) सावीगमिनवा ॥ मू. धूपगुगुला मूर्धयवाला नकयययय
विययययदीया गुठराकं ॥ नाययनस ॥ ३ नमो रागवगं श्रीगवायमहादवययया पृथ्वीगर्हसंस्तुताय कगवह

संयुक्तलिगायनकवातयूयधूयदीयगच्छ यक्षपुविगायकृगभूदायवज्रकृत्कलदयगायदवदानवकृमृगु
 जाकिन्तननसहिगाय अवननरगगवननन्याणंदिगार्थय ०००दंगुमणुलमल्लमनूयवल्ग्व १०००दमकगग
 न्नयधूयदीयायदानवलिपुयतिगृ क्रगां२नमाःसुगयत्यक्षियनं गत्यपीतिकनातिरागवननमार्निपुष्टि
 कनूयमिसुगाय अय्यमुतिगृ स्वाः ला॥यू.यं.ला.यं.मु॥विजरागोविसनंजसुल्लयवमंगकिथं१२
 मानकलसंरुगंलाहिगाईनसाम्प हं॥मी॥उंनकाद्रकमानायस्वाहा॥गम.यं.ला.यं.मु॥ ३ ॥वृद्ध ॥
 दकिणसूवर्णवीरिगिगार्थय॥आ.धूयसतनम॥अय्यसूवर्ण॥वीनयक्षयविगयधूयदीय॥युगयुनिगवस
 ॥उंनमारगवगवृद्धायसामसुगायनाहिणीयूगाय अयकांमालिसानिगुकमहीन्यासदृगंयवज्रसूर्यदवगायह

२१
 धोसूवगभूकृमृगुजाकिन्तननसहिगाय अवननरगगवानदानयनरिगार्थय ०००दंगुमणुलमल्लमनूय
 वल्ग्व १०००दमकगगन्नयधूयदीयायदानवलिपुयतिगृ क्रगां२नमाःसुगयत्यक्षियनं गत्यपीतिकनातिग
 न्निपुष्टिकनूवावत्यनयं अय्यमुति दृस्वाहा॥यू.यं.ला.यं.मु॥सूयवीणधियावृटं गमस्तानंवा ३
 नपुरां१नत्रयागकयालिनं वाव सानिन्नमामरु॥मी॥उंरागमस्यदायस्वाहा॥गम.यं.ला.यं.मु॥
 ॥गुक्॥दकिणसूवर्णवीरकना व॥आ.धूयगीसवाग॥अय्यनूय॥अनयक्षयविगयधूयदीय
 दयं॥गुठयिष्ठदृगं॥आवा॥उंनम॥गुक्कायहगुसुगाय अमूनगुनूयाधूयवैवायनकलदयगायगुक्कायस
 यधूयगन्नयक्षयविगायगुनजावृदायदवदानवगंक्षोसूवगभूकृमृगुजाकिन्तननसहिगाय अवननरगग

धं

विनयूयधूयगन्धयक्षयविनायकमलासनवृणायदवदानवकुम्भपुण्ड्रकिन्नकवसहितायश्रवतवशरगवन्दान
यनहितायर्थयन्दंगुहमणुलमल्लनयुवकधरदमकगगन्धयक्षधूयदीपायदानावलिपुत्रुगिद्रगांशन
माश्रुगयस्यक्रियगगस्यपुनिक
यूयंलाय्यंमु॥गंलावनाद्युति
॥मं॥उं॥वृद्धायस्त्राहा॥गंयंलाय्यं
श्रुयमुवर्ण॥यगियक्षयविनयूयधूयदीपायदयं॥द्युतयुव॥कलम॥उं॥नमारगयगयद्रुस्यगयश्रुगवसुगाय
वमुवदायदवदानवगुनूयाक्षाययीनवागयूयधूयदीपयगन्धयक्षयविनायकश्रुगायदयगायदवदानवगधि

वन्दानयनहितायर्थयन्दंगुहमणुलमल्लनयुवकधरदमकगगन्धयक्षधूयदीपायदानावलिपुत्रुगिद्रगा
शनमारश्रुगयस्यक्रियगगस्यपुनिकवाश्रवतवगंकिंयुष्टिकुवृगागवायश्रुयमुनिद्रुस्त्राहा॥यूयंलाय्यंमु
॥नानागंमुसुसर्वदंगुणारुण
रुमायस्त्राहा॥गंयंलाय्यंमु॥
॥श्रुयने॥गंमयक्षयविनयूयधू
ययूगायश्रुयागरेमरुगायदविषयमरुगाययमलगायश्रुगायदयगायनीनवागयूयधूयदीपयगन्धयक्ष
यविनायकश्रुनथसमानवृणायदवदानवगधिर्वास्तुनकुम्भपुण्ड्रकिन्नकवसहितायश्रवतवशरगवन्दानयन

थ
दि

हिगार्थय ॐ दं गुरुमणुलम ॥ अ नू य व ॥ २ ॐ द म क ग ग न्न यू स धू य दी पा य हा वा य व ति नू य नि गृ द्नां २
न मा ॥ मु ग य स्य क्रिय गं ग स्य या नि क वा र ग व न ग भे नि यूर्ध्वि कू नू कू वृ ण् म य अ र्ध मु नि य् चो हा ॥ यू यं ला र्धं
मु ॥ ॥ अ मा रा नि कू द दं गु कू र्मः को र्म सम कू र्म य छि यो णि गे नि र्थि नं कू वृ ण् ने मा म्प र्दं ॥ मी ॥ ॐ क
यू वृ ण् म य ग नि श्च वा य स्वा हा ॥ ग म यं ला र्धं मु ॥ ग ॥ वा ह ॥ द क्षि ण र व र्ज वी र्ज म्हा न ॥ अ नू धू य वि २१
त्वे ॥ अ र्धे क्त ल ॥ कू य स्य वि न य खू य दी र्थ ॥ गु गु नि मा वा मि व ॥ ॐ ॥ ॐ न म ४ वा ह व ति हि स ग
य अ मृ ग पि या य कू ति ग म्भ न द व नी य कू वृ वा स य स्य धू य दी य ग न्न य स्य वि ना य मू य ने थ स मा नू हा य द व दान व
ग धि र्वा सि न कू मृ णु ग कि न्य क स हि ना य अ व ग न २ र ग वा न्द न य ग हि गार्थ य ॐ दं गुरुमणुलम ॥ अ नू य व

॥ २ ॐ द म क ग ग न्न यू स धू य दी पा य हा व ति नू य नि गृ द्नां २ य स्य क्रिय गं ग स्य या नि क वा र ग व न ग भे नि यूर्ध्वि कू नू वा ह
य अ र्ध मु नि य् चो हा ॥ यू यं ला र्धं मु नि ॥ द्वि ज मि ग सूर्ति हा न स्त्रो न वा नां रु र्थि क र्म ॥ व्वा म मू म द्ध को य नू वि धू गु द न्न
मा म्प र्दं ॥ मी ॥ ॐ अ मृ ग पि या य स्वा हा ॥ ग म यं ला र्धं मु ॥ ८ ॥ क र्त व ॥ द क्षि ण र व ति स ॥ अ नू धू य व न र्थ ॥ अ र्ध
य व न त्वा ॥ य नू वृ ण् म ग म ॥ यू स धू य दी र्थ ॥ गु गु नि मा वा मि ग न्ग य रु र्म ॥ द्र व स ॥ ॐ न म ४ क र्त व का म स ग
य का न या ग वा गु र स्य र व र्ज कू ल द व ता य धू मु वा स य स्य धू य ग न्न य स्य वि ना य पि या य धू मु न थ स
मा नू हा य द व दान व कू मृ णु ग कि न्य क स हि ना य अ व ग न २ र ग वा न्द न य ग हि गार्थ य ॐ दं गुरुमणुलम ॥ अ
नू य व ॥ २ ॐ द म क ग ग न्न यू स धू य दी पा य हा वा व ति नू य नि गृ द्नां २ न मा ॥ मु ग य स्य क्रिय गं ग स्य या नि क वा र

थ
जि

वभर्त्तिपूर्विकं नूकं गवः श्रुम्य निष्कृत्वा ह॥ य. यं. ला. यं. मुने॥ खञ्जया गकनं वागं काया द्वः पृष्ठं रुषण॥ विविग
विगदहारां श्रुतिकं तु नमाम्यहं॥ मी॥ उं॥ श्रुतिकं गवः स्वाहा॥ ग. यं. ला. यं. मु॥ ॥ ॥ मन्मनै॥ दकणमस्यो॥ वी
कृत्वा गगनं गगन॥ श्रु. धूय कयूने ॥ श्रुय विगमणि॥ गृकय ह्यय विनयूष्य धूय दीयं॥ श्रुगु निदद्वि॥
उं॥ नमन कृग देवताय वं वाचन कृ ॥ तर्त्त रावाय गय्याय मोय सिगाय॥ गृकवा गगु कयूष्य धूय दीय २२
गन्नय ह्यय विगपियाय दवदानव ॥ कृमणु जाकि नक्त वसहि गोय श्रुवत व २ रागवने दानय न हिता
थीय वृंदं गुरुमणु लम॥ श्रु नूय व २ कृ दम कत गं धयूष्य धूय दीयाय हाव वलि कुयु निगृ द्रगां २ नमो
श्रुगय स्य क्रियते न स्य सातिकं वा रागवने गभर्त्तिपूर्विकं नूकं गवः श्रुम्य निष्कृत्वा ह॥ य. यं. ला. यं. मुने॥ मी॥

उं॥ नमन कृग देवताय वं वाचन कृ ॥ ग. यं. ला. यं. मु॥ ॥ ॥ ॥ गजमान स्वान गान कं गुरुमणु लस॥ ॥ द॥ ॥ मुनि॥ ग
यूष्या वी गस्वाने वा दकणमावासा॥ उं॥ श्रु दित्याय का श्रययू गाय श्रुग ह्य देवताय श्रुमिता रकून देवताय श्रुम
कास्य श्रुयू ना गभ्य कामनार्थं सर्व ॥ वा राय गभ्यार्थं सर्व कृत्वा नू नज नद्यटि न गुरुय मरुं सीय यकृमि॥ स
वृष्टं धनूयु निष्ठार्थं दक्षिण सीय ॥ कया मरुं॥ मु॥ ग॥ य॥ ॥ सा॥ वीजं धनू निलक॥ दक्षिण गीरव॥
उं॥ सामाय की नार्णू वसे गृगाय नं रा ॥ सृगाय गभ्य न देवताय॥ श्रुमू कास्य श्रुयू ना गभ्य कामनार्थं सर्व ना
गभ्य गभ्यार्थं नज नद्यटि न गीरव गुरुय मरुं सीय यकृमि॥ गीरव वृष्टं दक्षिण म्यु निष्ठार्थं दक्षिण सीय ॥ कया म
रुं॥ २॥ मु॥ ग॥ य॥ श्रु॥ वीज वद गि ववा॥ दक्षिण॥ थासा॥ उं॥ श्रु गभ्याय रू मि सृगाय वृष्टं न देवताय श्रुमू कास्य श्रुयूः

यका

नियुधता

